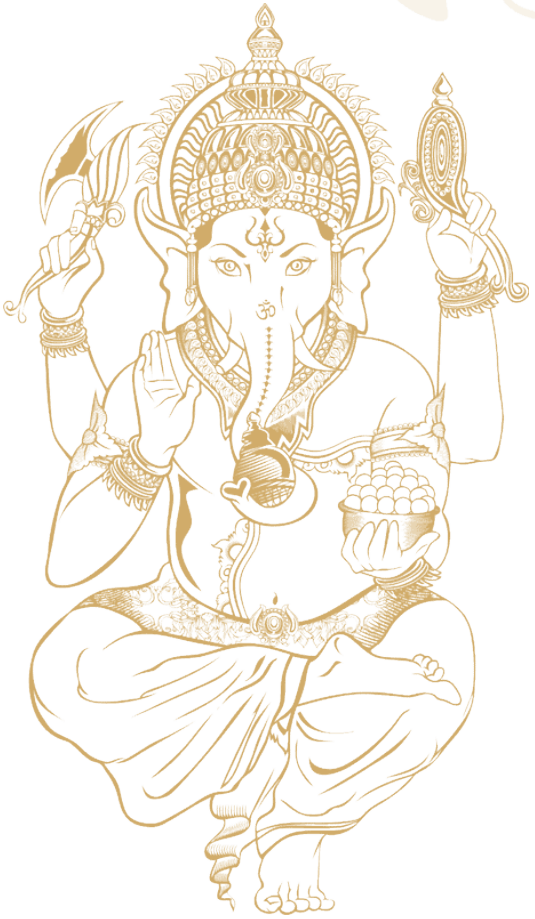

Banwari Maya3

12 Feb 2026

07:11 PM

Arnhem

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590408

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:11:00 घंटे**
इष्ट	28:04:19 घटी
स्थान	**Arnhem**
देश	Netherlands

अक्षांश	51:58:00 उत्तर
रेखांश	05:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:34:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	04:05:53 घंटे
सूर्योदय	07:57:16 घंटे
सूर्यास्त	17:44:45 घंटे
दिनमान	09:47:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:48:43 मकर
लग्न के अंश	15:48:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:48:40	251:45:35	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			मक	29:48:43	01:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	04:59:49	12:02:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मक	21:43:45	00:47:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	15:36:36	01:35:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:59:05	00:04:59	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	08:41:32	01:15:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:38:21	00:06:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:50:46	00:02:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:50:46	00:02:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:16:09	00:00:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:15:59	00:01:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:50:23	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	09:16:13	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

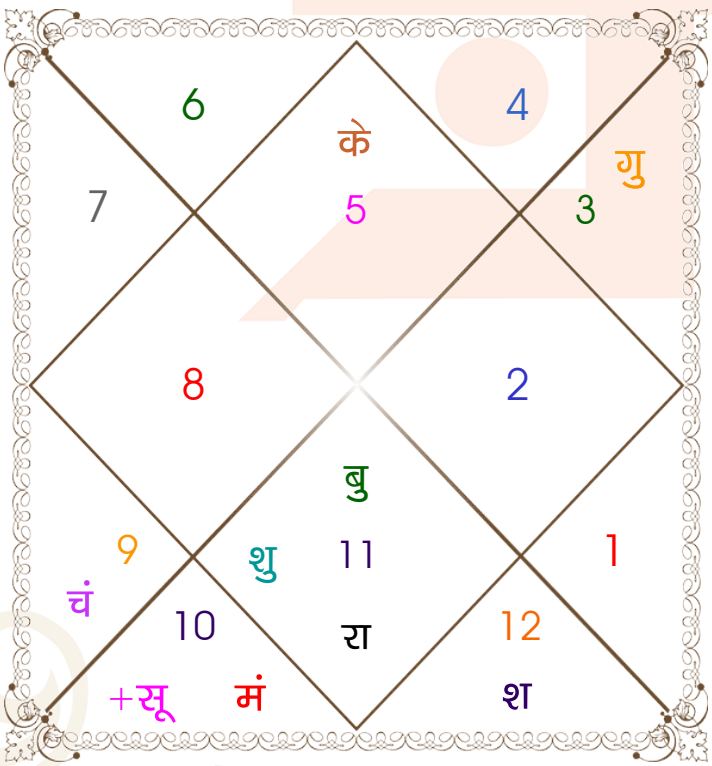

चन्द्र कुंडली

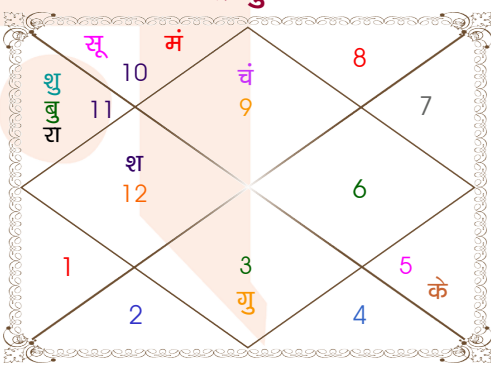

नवमांश कुंडली

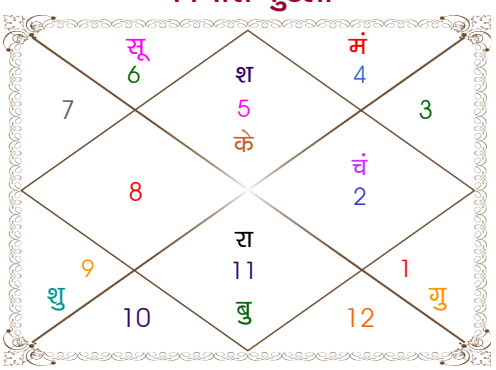

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/02/2026		30/06/2030		30/06/2050		29/06/2056		30/06/2066	
30/06/2030		30/06/2050		29/06/2056		30/06/2066		30/06/2073	
	00/00/0000	शुक्र	29/10/2033	सूर्य	17/10/2050	चंद्र	30/04/2057	मंगल	26/11/2066
	00/00/0000	सूर्य	30/10/2034	चंद्र	18/04/2051	मंगल	29/11/2057	राहु	14/12/2067
	00/00/0000	चंद्र	29/06/2036	मंगल	24/08/2051	राहु	31/05/2059	गुरु	19/11/2068
	12/02/2026	मंगल	29/08/2037	राहु	18/07/2052	गुरु	29/09/2060	शनि	29/12/2069
मंगल	30/05/2026	राहु	29/08/2040	गुरु	06/05/2053	शनि	30/04/2062	बुध	26/12/2070
राहु	18/06/2027	गुरु	30/04/2043	शनि	18/04/2054	बुध	29/09/2063	केतु	25/05/2071
गुरु	24/05/2028	शनि	30/06/2046	बुध	22/02/2055	केतु	29/04/2064	शुक्र	24/07/2072
शनि	03/07/2029	बुध	30/04/2049	केतु	30/06/2055	शुक्र	29/12/2065	सूर्य	29/11/2072
बुध	30/06/2030	केतु	30/06/2050	शुक्र	29/06/2056	सूर्य	30/06/2066	चंद्र	30/06/2073

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/06/2073		30/06/2091		01/07/2107		01/07/2126		01/07/2143	
30/06/2091		01/07/2107		01/07/2126		01/07/2143		00/00/0000	
राहु	12/03/2076	गुरु	17/08/2093	शनि	04/07/2110	बुध	26/11/2128	केतु	27/11/2143
गुरु	05/08/2078	शनि	29/02/2096	बुध	13/03/2113	केतु	24/11/2129	शुक्र	26/01/2145
शनि	11/06/2081	बुध	05/06/2098	केतु	22/04/2114	शुक्र	24/09/2132	सूर्य	03/06/2145
बुध	30/12/2083	केतु	12/05/2099	शुक्र	21/06/2117	सूर्य	31/07/2133	चंद्र	02/01/2146
केतु	16/01/2085	शुक्र	11/01/2102	सूर्य	03/06/2118	चंद्र	30/12/2134	मंगल	13/02/2146
शुक्र	17/01/2088	सूर्य	31/10/2102	चंद्र	03/01/2120	मंगल	28/12/2135		00/00/0000
सूर्य	11/12/2088	चंद्र	01/03/2104	मंगल	11/02/2121	राहु	16/07/2138		00/00/0000
चंद्र	12/06/2090	मंगल	04/02/2105	राहु	19/12/2123	गुरु	21/10/2140		00/00/0000
मंगल	30/06/2091	राहु	01/07/2107	गुरु	01/07/2126	शनि	01/07/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।